शपिकी ला दर्रा

[स्रोत: द हिंदू](#)

भारत-चीन सीमा पर हिमाचल प्रदेश के किन्नौर ज़िले में **शिपकी ला दर्रा (3,930 मीटर)** को घरेलू पर्यटकों के लिये खोल दिया गया है, ताकि **सीमावर्ती अर्थव्यवस्था,** रणनीतिक संपर्क और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके।

शिपकी ला दर्रा

- **शिपकी ला** एक मोटर वाहन योग्य **पर्वतीय दर्रा** है, जो **वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC)** पर एक सीमा चौकी को चिह्नित करता है और यह **भारत के सबसे ऊँचे मोटर वाहन योग्य दर्रों में से एक है।**
- **सतलुज नदी** (तिब्बत में लांगकेन ज़ांग्बो) इसी दर्रे से होकर भारत में प्रवेश करती है, जो ऐतिहासिक रूप से एक प्रमुख **भारत-तिब्बत व्यापार मार्ग** के रूप में कार्य करता था।
- इस दर्रे को पहले **पेमा ला** या **साझा द्वार (Shared Gate)** के नाम से जाना जाता था, जिसे वर्ष **1962 के बाद भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP)** ने **शिपकी ला** नाम दिया।
- **यह 5वीं शताब्दी से एक महत्त्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग रहा है, जो वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध,** [डोकलाम गतिरोध](#) **और** [कोविड-19](#) **महामारी के बाद बंद हो गया।**
- **शिपकी ला** भारत और तिब्बत के बीच व्यापार का माध्यम था, जिसके अंतर्गत **ऊन, पशुधन, याक उत्पाद, धार्मिक वस्तुएँ तथा खनिज** जैसे आयात होते थे, जबकि **अनाज, मसाले, तंबाकू, लकड़ी एवं धातु के औज़ार** जैसे निर्यात किये जाते थे।

पहाड़ी दर्रे

- **दर्रे पर्वत शृंखलाओं** में प्राकृतिक रूप से बने निम्न बिंदु या संकरे मार्ग होते हैं, जो सामान्यतः कठिन भू-भाग में **लोगों, वस्तुओं और सेनाओं की आवाजाही को सुगम** बनाते हैं।
- ये दर्रे **अपक्षय, हिमनदीकरण** या **टेक्टोनिक गतिविधियों** के कारण बनते हैं और दो घाटियों या क्षेत्रों को जोड़ने का कार्य करते हैं। ऐतिहासिक रूप से इनका उपयोग **व्यापार, प्रवास** और **सैन्य अभियानों** में होता रहा है, जिससे इनका **रणनीतिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक महत्त्व** स्थापित होता है।

भारत में प्रमुख दर्रे

तथ्य

- पूर्वी लद्दाख में स्थित **उमलिंग ला दर्रा** हाल ही में विश्व का सबसे ऊँचा मोटरेबल दर्रा बन गया है (प्रोजेक्ट हिमांक)।
- **लिपु लेख दर्रा उत्तराखंड (भारत), चीन और नेपाल के ट्राई जंक्शन** के निकट स्थित है।
- **नाथू ला** (सिक्किम) **भारत-तिब्बत सीमा** पर स्थित है। यह भारत और चीन के बीच तीन खुले व्यापारिक दर्रों में से एक है (अन्य दो दर्रे - **शिपकी ला और लिपु लेख**)।
- सिक्किम में स्थित **नाकू ला दर्रा** हाल ही में LAC **पर भारत-चीन गतिरोध** के कारण खबरों में था।
- **जोजिला दर्रा** लेह को श्रीनगर से जोड़ता है और इसे "Mountain Pass of Blizzards", अर्थात् बर्फीले तूफानों के पर्वतीय दर्रे के रूप में जाना जाता है। जोजिला सुरंग **एशिया की सबसे लंबी** सुरंग है।
- **डुंगरी ला (या माना) दर्रा** भारत और तिब्बत को जोड़ता है। यह जांस्कर पर्वत श्रृंखला (उत्तराखंड) के **नंदा देवी बायोस्फीयर रिज़र्व में स्थित** है। यहाँ तक कि भारतीय नागरिकों को भी इस दर्रे से **यात्रा करने के लिये सेना से पूर्व अनुमति लेने की आवश्यकता** होती है।
- **रोहतांग दर्रा** (हिमाचल प्रदेश) महान हिमालय की **पीर पंजाल श्रेणी** में स्थित है और **कुल्लू घाटी को लाहौल तथा स्पीति घाटियों से जोड़ता है**।
- **पश्चिमी घाट का सबसे बड़ा दर्रा तमिलनाडु से सटे केरल के पलक्कड़ (या पाल घाट) में है।**

Drishti IAS

और पढ़ें: [सीमा निर्धारण के लिये चीन और भूटान की बैठक]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/shipki-la-pass